Total No. of Questions - 3] [Total Pages : 3

**(2062)**

# 9721

**M.A. Examination**

HINDI

(छायावादोत्तर काव्य)

Paper–XIII

(Semester–IV)

Time : Three Hours] [Max. Marks : Regular : 80 / Private : 100

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

**नोट :** सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) कविता में कहने की आदत नहीं, पर कह दूँ
वर्तमान समाज चल नहीं सकता।
पूँजी से जुड़ा हुआ हृदय बदल नहीं सकता,
स्वातन्त्रय व्यक्ति का वादी
छल नहीं सकता मुक्ति के मन को,
जन को।

अथवा

अब अभिव्यक्ति के सारे खतरे
उठाने ही होंगे।
तोड़ने होंगे मठ और गढ़ सब।
पहुँचना होगा दुर्गम पहाड़ों के उस पार
तब कहीं देखने मिलेंगी हमको
नीली झील की लहरीली बाहें।

(ख) द्वीप हैं हम। यह नहीं है शाप। यह अपनी नियति है।
हम नदी के पुत्र हैं। बैठे नदी की क्रोड़ में
वह वृहद् भूखंड से हमको मिलाती है।
और वह भूखंड अपना पितर है।

अथवा

मेरे हार गये सब जाने माने कलावन्त,
सब की विधा हो गयी अकारथ, दर्प चूर
कोई ज्ञानी गुणी आज तक इसे न साध सका
अब यह असाध्य वीणा ही ख्यात हो गयी।

(ग) देवी! स्वप्न से आप अकारण भीत हुए
जाती है।
मैं हूँ जहाँ, वहाँ कैसे विध्वंस पहुँच सकता है?
भूल गई स्यन्दन मेरा नभ में अबाध
उड़ता है?

अथवा

किन्तु, हाय! दुर्भाग्य! जिधर भी बढ़ा
स्पर्श करने को,
डूब गया वह छली पुष्प पत्तों की
हरियाली में!
चकित, भीत, विस्मित, अधीर तब मैं
निरस्त माया से। 8×3=24
(10×3=30)

2. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) अज्ञेय के काव्य-शिल्प पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'असाध्य वीणा' की मूल संवेदना की समीक्षा कीजिए।

(ग) मुक्तिबोध की काव्य भाषा की समीक्षा कीजिए।

(घ) 'अंधेरे में' कविता के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

(ङ) दिनकर के काव्य में सामाजिक चेतना पर विचार कीजिए।
17×3=51
(20×3=60)

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) दिनकर का पूरा नाम लिखिए।

(ख) 'उर्वशी' के किन्हीं **दो** नारी पात्रों के नाम लिखिए।

(ग) 'असाध्य वीणा' किस तरु से गढ़ी गई है?

(घ) 'बावरा अहेरी' किसका प्रतीक है?

(ङ) मुक्तिबोध के काव्य-संग्रह का नाम क्या है? 5×1=5
(5×2=10)